द्वितीय प्रश्न पत्र (हिन्दी भाषा एवं साहित्य का इतिहास)

Time allowed : Three hours **Maximum Marks : 100**

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. प्राचीन और मध्यकालीन आर्य भाषाओं के विकास–क्रम को स्पष्ट करते हुए उनकी भाषा–वैज्ञानिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिये। (शब्द–सीमा : 500 शब्द)

http://questionpaperesult.com/

Scanned by CamScanner

अथवा

हिन्दी भाषा के उद्‌भव और विकास का संक्षिप्त ब्यौरा देते हुए, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता का परिचय दीजिये।

2. अवधी भाषा के उद्‌भव और विकास का परिचय देते हुए, अवधी भाषा की भाषा वैज्ञानिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिये। (शब्द–सीमा : 500 शब्द)

अथवा

राजस्थानी भाषा और उसकी बोलियों पर प्रकाश डालते हुए, राजस्थानी भाषा की व्याकरणगत सामान्य विशेषताओं का उल्लेख कीजिये। (शब्द सीमा : 500 शब्द)

3. आदिकाल के नामकरण हेतु सुझाये गये विभिन्न विद्वानों के मतों की समीक्षा करते हुए बताइये कि कौन–सा नाम सर्वाधिक उपयुक्त है?(शब्द सीमा : 500 शब्द)

अथवा

रीतिकाल की काव्य–धाराओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए रीतिकाल की सामान्य विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिये।(शब्द सीमा : 500 शब्द)

4. ज्ञानमार्गी निर्गुण काव्य–धारा के कवियों पर प्रकाश डालते हुए, संत–काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का सोदाहरण वर्णन कीजिये। (शब्द सीमा : 500 शब्द)

अथवा

अष्टछाप के कवियों का नामोल्लेख करते हुए, सगुण कृष्ण भक्ति काव्य की प्रमुख विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिये। (शब्द सीमा : 500 शब्द)

5. छायावाद का अर्थ और प्रमुख कवियों पर परिचय देते हुए, छायावाद की सामान्य प्रवृत्तियों पर सोदाहरण प्रकाश डालिये। (शब्द सीमा : 500 शब्द)

अथवा

प्रगतिवाद के उद्‌भव की पृष्ठभूमि बताते हुए, प्रगतिवाद की प्रमुख प्रवृत्तियों का सोदाहरण विवेचन कीजिये। (शब्द सीमा : 500 शब्द)

http://questionpaperesult.com/

Scanned by CamScanner